Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 25

No. of Printed Pages – 3

VU–89–Dharm Shas.

यहाँ से काटिए

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2018

धर्मशास्त्रम्

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थिभ्य: सामान्यनिर्देशा:

1) परीक्षार्थिभि: सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्क: अनिवार्यत: लेख्या ।

2) सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या: ।

3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराण्युत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि ।

4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वे भागा: एकत्र एव लेखनीया।

5) सर्वे प्रश्ना: संस्कृतमाध्यमेन उत्तरणीया: ।

यहाँ से काटिए

1) सुख मूलं किम्? [1]

2) ''प्रभृत'' शब्दस्य किं तात्पर्यम्? [1]

3) शुद्धि – विवेक ग्रन्थस्य लेखक क:? [1]

4) पशुबन्ध–यज्ञं कदा कुर्यात्? [1]

5) बुध्दि: केन शुद्ध यति? [1]

6) सन्तोषस्य किं फलम्? [2]

7) पञ्च महायज्ञानां नामानि लिखत। [2]

8) कस्मिन भाण्डे न भोजनं कुर्यात्? [2]

9) दीर्घमायु: कथं प्रात्यते? [2]

10) वर्षा कालिक – अनध्यायान् लिखत। [2]

11) वेदोत्सर्जनकालं लिखत। [3]

12) निर्णय सिन्धु ग्रन्थस्य लेखक:क:? [3]

13) धुर्य– लक्षणानि कानि? [3]

14) दुराचारस्य फलं किम्? [3]

15) मृत्युकाले क: अनुगच्छति [3]

16) ब्रह्म तेजसः प्रशमनं कदा भवति ? [3]

17) भूमिशुद्धिः कथं भवति ? [3]

18) स्वर्णदानस्य फलं किम् ? [3]

19) स्नातक व्रतानि कानि ? [3]

20) पाति व्रात्य फलं लिखत। [3]

21) अनध्यायकालान् लिखत। [7]

22) कमलाकर भट्टस्य व्यक्तित्वं कृतित्वञ्च निरूपयत। [7]

23) आपस्तम्बस्य परिचयो देयः। [7]

24) बोधायन धर्म सूत्रस्य परिचयं वर्णयत। [7]

25) चतुर्वर्णानाम् आशीच व्यवस्थां वर्णयत। [7]

DO NOT WRITE ANYTHING HERE